



**AM I VICTIM**

**OR CRIMINAL ?**

**HOW MANY CRIMES ARE COMMITTED  
PER DAY IN THE WORLD AND HOW ?**

**IS THESE CRIMES CAN BE POSSIBLE  
WITHOUT COOPERATION OR CONSPIRACY**

**???**

**समाज में होने वाले अपराधों के लिए कौन  
जिम्मेदार है ???**

**क्या सिर्फ इंसान ही या परिस्थितिया और  
कारण पैदा करने वाले भी है ???**

प्रकृति में होने वाले असंतुलन के लिए  
आखिर कौन सर्वाधिक जिम्मेदार है ???

शिक्षा और शिक्षा की वस्तु और  
इससे पैदा महत्व आकांक्षा और विश्व  
विजेता जैसे रोग नहीं.....,तो और  
कौन ?

क्या दुनिया के अपराधों में सभी  
जिम्मेदार हैं ?

हाँ, परन्तु शिक्षित कहीं ज्यादा है।

आदमी  
बिल्डिंग तो  
ऊंची बना  
रहा हैं,



High  
SELF ESTEEM

लेकिन

SELF ESTEEM  
BENDING

SELF ESTEEM  
BENDING

SELF ESTEEM  
BENDING

SELF ESTEEM DEAD





आदमी कल्पना कर  
रहा हैं चाँद की,  
लेकिन हरकत कर  
रहा हैं पाताल की ।

यदि कही भी किसी **आदमी** के साथ कुछ भी **गलत** होता है  
और **दूसरा आदमी चुप** है तो वो भी **जिम्मेदार** है।

**राजनैतिक अपराध** में राज्य में रहने वाला हर व्यक्ति जुड़ा ही रहता है।

**धर्म व नैतिक अपराध** में उस समुदाय से जुड़ा हरेक आदमी भागीदार है  
ही।

और **आर्थिक अपराध** में इस संसार का हरेक आदमी जुड़ा ही हुआ है।

कृत, कारित व अनुमोदित भेदों से हर व्यक्ति पृथ्वी के साथ होने  
वाले **अपराधों** से जुड़ा ही है।

धरती का बीमार होना, धरती पर रहने वाले  
700 करोड़ आदमी के अपराध का फलन है।

**WHO IS  
RESPONSIBLE  
?**



**EDUCATION  
IS  
RESPONSIBLE**



# Role/ Failure of Education

AN APPEAL

TO TEACHERS

from a school principal  
who survived the Nazi camp.

A school principal who survived the Nazi camp, wrote, "I am a survivor of a concentration camp. My eyes saw what no person should witness. Gas chambers built by learned engineers. Children poisoned by educated physicians. Infants killed by trained nurses. Women and babies shot and killed by high school and college graduates. So, I'm suspicious of education. My request is, help your students to be human. Your efforts must never produce learned monsters, skilled psychopaths, or educated maniacs. Reading and writing and spelling and history and arithmetic are only important if they serve to make our students more human."



Most of the Germans, Chinese, Russians, Japanese were **PEACEFUL** Yet they **killed millions of people**, But the **peaceful majority** were irrelevant.

**WHY 90% IRRELEVANT PEOPLE ARE NOT RESPONSIBLE FOR 10% ROTTEN MINDSET (CRIMINALS) ???**



<https://www.mediamatters.org/embed/static/clips/2014/06/17/35713/heritage-061614-benghazi2>

**समर शेष है, नहीं पाप का  
भागी केवल व्याध,  
जो तटस्थ है, समय  
लिखेगा उनके भी अपराध।**

**- रामधारी सिंह दिनकर**

# HUMAN IS A REASON OF FEAR/FAITH FOR HUMAN AND HUMANITY.

**गलती हुई कहाँ ???**

गलती वहां हुई जहाँ इंसान तैयार होते हैं यानि शिक्षा में जहाँ सब्जेक्ट्स केवल एग्जाम में मार्क्स पाने भर के लिए रह गए बजाए जीवन को उत्साहपूरक जीने के।

**शिक्षा में शामिल होने चाहिए थे -**

- 1. स्वयं का जानना**
- 2. संबंधों को जानना और मूल्यांकन करते हुए निर्वाह करना**
- 3. वर्तमान के अभ्युदय में भागीदारी।**

**शिक्षा** : जीने के लिए ज्ञान ।

**ज्ञान** : जिससे जीवन उत्सव  
पूर्वक जिया जा सके ।

**मैं शिक्षित होकर**

- 1- स्वस्थ रह सकूं ।
- 2- समृद्धि पूर्वक जी सकूं ।
- 3- संबंधों में तृप्ति पा सकूं ।
- 4- व्यवस्था में भागीदार हो सकूं ।

**शिक्षित व्यक्ति पर सवार तीन भूत ।**

- 1- लाभोन्मादी अर्थशास्त्र  
(पैसा ही सब कुछ है ।)
- 2- कामोन्मादी मनोविज्ञान  
(इन्द्रियों में ही सुख है ।)
- 3- भोगोन्मादी समाजशास्त्र  
(सुविधा ही जीवनशैली है ।)

**स्वयं को शरीर,  
सामान को  
सम्मान, सुविधा  
को सुख मानकर  
जीते हैं इसी लिए  
दूसरे मानव, पशु,  
पेड़-पौधों और  
पदार्थ का शोषण  
किया ।**



शिक्षा किसी राष्ट्र को  
बना भी सकती है और  
मिटा भी सकती है।

We at **MUNI**  
**INTERNATIONAL**  
**SCHOOL** take  
**RESPONSIBILITY** to  
make each child  
**SOCIALLY STRONG**,  
WHERE THEY DON'T LET  
THE UNPRINCIPLED  
THINGS HAPPENED IN  
THEIR PRESENCE.

**WELCOME** In  
A Democratic School of  
The Brave New World Where  
For Impossible We Act Immediately  
But Miracle Takes Time





**स्वतंत्रता** - समझदारी के बाद, उपकार के सहित  
उत्तरोत्तर और - और अच्छा करने के बारे में  
सोचना और प्रमाणित करना ही स्वतंत्रता और  
**अभ्युदय** है।

यही सर्वोत्तममुखी समाधान है।

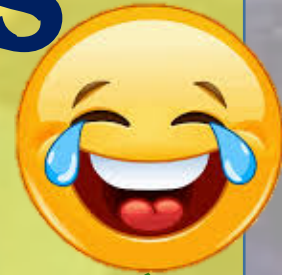
मानवता का वैभव है व्यवस्था,  
स्वयं का वैभव है स्वराज्य।

स्वयं के प्रमाणित होने की जगह  
परिवार है क्योंकि वहां सभी अपने हैं।

**WE ARE SPENDING MILLIONS OF  
DOLLARS TO SEND OUR SATELLITE  
TO FIND मंगल OR MARS.**



**FIND मंगल HERE IN  
EVERYBODY IN LESS  
COST.**



**IT IS POSSIBLE ONLY  
BY EDUCATION.**

**MUNI RESEARCH & DEVELOPMENT DIVISION**